

राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र

स्रोत: डाउन टू अर्थ

पटना में राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (NDRC) को अपने उद्घाटन के आठ महीनों बाद भी नषिक्रयिता का सामना करना पड़ रहा है, जो गंगा नदी डॉल्फिन के संरक्षण में महत्वपूर्ण चुनौतियों और पहलों को रेखांकित करता है।

- अपनी स्थापना के बावजूद, आवश्यक उपकरणों और कुशल कर्मियों की कमी के कारण यह अभी भी क्रयिन्वति नहीं हुआ है।
- NDRC का उद्घाटन वर्ष 2024 में किया गया, यह गंगा नदी डॉल्फिन पर शोध और संरक्षण के लिये समर्पित है।
- यह गंगा नदी पर केंद्रित है और इसका उद्देश्य डॉल्फिन के व्यवहार, आवास और संरक्षण संबंधी संकट पर अध्ययन को सुवधाजनक बनाना है।
- गंगा डॉल्फिन संरक्षण हेतु पहलें:
 - प्रोजेक्ट डॉल्फिन
 - गंगा डॉल्फिन के लिये संरक्षण कार्य योजना: इसे राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण द्वारा तैयार किया गया, जिसमें आवास संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मानव-डॉल्फिन संघर्ष के शमन के लिये विशिष्ट कार्यों का वविरण दिया गया था।
 - इस योजना में डॉल्फिन की आबादी और उसके जीवन संबंधी संकट का आकलन करने के लिये सर्वेक्षण करना तथा स्थानीय समुदायों में जागरुकता बढ़ाना शामिल है।
- संरक्षण स्थिति:
 - IUCN: लुप्तप्राय
 - भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची-I
 - लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय वयापार पर कन्वेंशन (CITES): परशिषिट-I
 - प्रवासी प्रजातियों पर कन्वेंशन (CMS): परशिषिट-I.

गंगा डॉल्फिन

(Platanista gangetica gangetica)

तथ्य

- मीठे पानी में ही रह सकती हैं; गहरे पानी को ज्यादा प्राथमिकता देती हैं
- सामान्यतः अंधी होती हैं; अल्ट्रासोनिक ध्वनि उत्सर्जित करके शिकार करती हैं
- पानी में साँस नहीं ले सकती; साँस लेने के लिये प्रत्येक 30-120 सेकंड में सतह पर आती हैं
- साँस लेने के दौरान निकलने वाली आवाज़ के कारण इन्हें 'सुर' भी कहा जाता है

अधिवास एवं वितरण

- भारत, नेपाल और बांग्लादेश की गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में वितरित।
- भारत के 7 राज्यों असम, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में इनकी उपस्थिति देखी जा सकती है।

संरक्षण की स्थिति

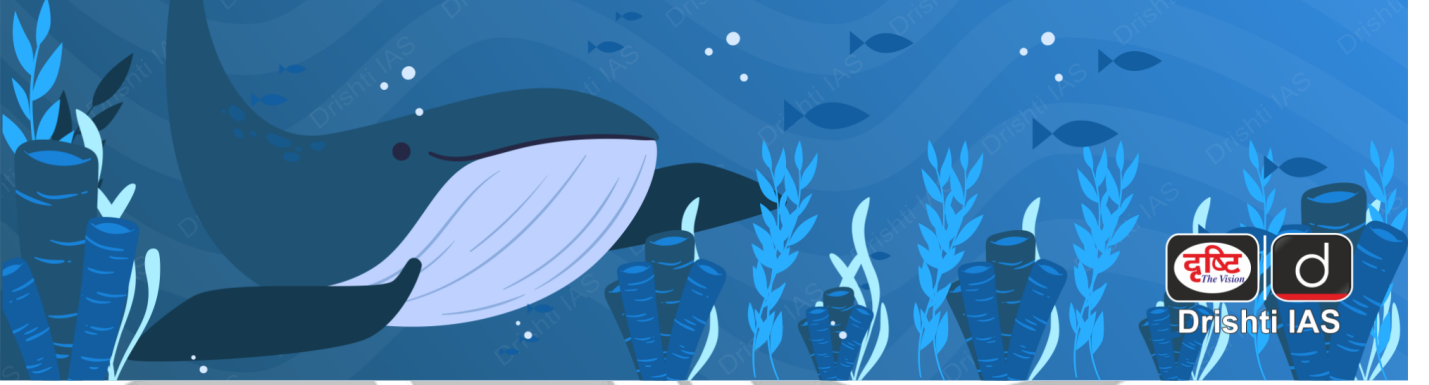
- IUCN रेड लिस्ट: संकटग्रस्त (endangered)
- CITES: परिशिष्ट I
- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972- अनुसूची-I

खतरे

- आवास की क्षति
- प्रदूषण
- वायुमय
- जलवायु परिवर्तन
- शिकार

संरक्षण संबंधी प्रयास

- प्रोजेक्ट डॉल्फिन (2021): प्रोजेक्ट टाड़गर की तर्ज पर
- नेशनल डॉल्फिन रिसर्च सेंटर (2021): पटना विश्वविद्यालय (बिहार) में; भारत और एशिया का पहला
- समर्पित डॉल्फिन अभयारण्य:
 - विक्रमशिला अभयारण्य (बिहार) - 1991
 - हस्तिनापुर अभयारण्य (उत्तरप्रदेश) - प्रस्तावित



और पढ़ें: [भारत का पहला डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र](https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-dolphin-research-centre)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-dolphin-research-centre>